Gyan Manthan
Journal homepage: www.gyanmanthan.org ISSN: **3108-3455**

कक्षा सातवीं के सामाजिक विज्ञान शिक्षण में गतिविधि आधारित विधि का प्रभाव एवं सामाजिक मूल्यों का विकास

Dr.Pallavi Nagar[1], Kanupriya Hirve[2]
Assistant professor, Edication dept. , Arihant College, Indore.
M.Ed Student, 2 sem , Arihant College, Indore

Abstract
सामाजिक विज्ञान विद्यालयी शिक्षा का एक महत्वपूर्ण विषय है, जो विद्यार्थियों में सामाजिक समझ, नागरिकता, सहानुभूति तथा सामाजिक मूल्यों का विकास करता है। परंपरागत शिक्षण विधियों में विद्यार्थियों की सहभागिता सीमित रहती है, जिसके कारण उनकी रुचि एवं शैक्षणिक उपलब्धि प्रभावित होती है। प्रस्तुत अध्ययन में कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों के सामाजिक विज्ञान विषय में गतिविधि आधारित शिक्षण विधि के प्रभाव एवं सामाजिक मूल्यों के विकास का अध्ययन किया गया है।
गतिविधि आधारित शिक्षण विधि विद्यार्थियों को सक्रिय सहभागिता, अनुभवात्मक अधिगम तथा सहयोगात्मक कार्य के माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान करती है। इस अध्ययन में पूर्व-परीक्षण एवं पश्च-परीक्षण नियंत्रण समूह प्रायोगिक अभिकल्प का प्रयोग किया गया। अध्ययन हेतु 60 विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिन्हें प्रायोगिक एवं नियंत्रण समूह में विभाजित किया गया। प्रायोगिक समूह को गतिविधि आधारित शिक्षण विधि द्वारा तथा नियंत्रण समूह को पारंपरिक शिक्षण विधि द्वारा पढ़ाया गया। अध्ययन में उपलब्धि परीक्षण एवं सामाजिक मूल्य मापनी का उपयोग किया गया। निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि गतिविधि आधारित शिक्षण विधि से विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि, सामाजिक सहभागिता, सहयोग, सहिष्णुता एवं जिम्मेदारी जैसे सामाजिक मूल्यों में सकारात्मक वृद्धि हुई। यह विधि विद्यार्थियों में सीखने के प्रति रुचि एवं आत्मविश्वास भी विकसित करती है।

Keywords: गतिविधि आधारित शिक्षण, सामाजिक विज्ञान, सामाजिक मूल्य, शैक्षणिक उपलब्धि, सहकार अधिगम, सक्रिय शिक्षण

प्रस्तावना

शिक्षा मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का प्रमुख साधन है। यह व्यक्ति को ज्ञान, कौशल, मूल्य तथा सामाजिक उत्तरदायित्व प्रदान करती है। आधुनिक शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्यों का संप्रेषण करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को सामाजिक रूप से जागरूक, उत्तरदायी एवं संवेदनशील नागरिक बनाना भी है।

विद्यालयी शिक्षा में सामाजिक विज्ञान का विशेष महत्व है क्योंकि यह विद्यार्थियों को समाज, संस्कृति, इतिहास, नागरिकता एवं सामाजिक संबंधों की समझ प्रदान करता है। सामाजिक विज्ञान विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, समस्या समाधान क्षमता तथा सामाजिक मूल्यों का विकास करता है।

परंपरागत शिक्षण विधियों में शिक्षक केंद्र में रहता है तथा विद्यार्थी निष्क्रिय श्रोता बने रहते हैं। इससे विद्यार्थियों की रुचि कम होती है और वे विषयवस्तु को केवल रटने का प्रयास करते हैं। इसके विपरीत गतिविधि आधारित शिक्षण विधि विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से सीखने की प्रक्रिया में शामिल करती है। गतिविधि आधारित शिक्षण में समूह चर्चा, भूमिका निर्वहन, परियोजना कार्य, मानचित्र कार्य, प्रश्नोत्तरी, शैक्षिक भ्रमण आदि गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को सीखने का अवसर दिया जाता है। इससे विद्यार्थियों में सहयोग, सहानुभूति, सहभागिता, अनुशासन तथा सामाजिक जिम्मेदारी जैसे सामाजिक मूल्यों का विकास होता है।

कक्षा सातवीं का स्तर विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं सामाजिक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः इस स्तर पर प्रभावी शिक्षण विधियों का प्रयोग आवश्यक है। इसी संदर्भ में प्रस्तुत अध्ययन गतिविधि आधारित शिक्षण विधि के प्रभाव एवं सामाजिक मूल्यों के विकास का अध्ययन करता है।

संबंधित साहित्य का अध्ययन

विभिन्न शोध अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि गतिविधि आधारित शिक्षण विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कौर (2010) ने अपने अध्ययन में पाया कि गतिविधि आधारित शिक्षण से विद्यार्थियों की उपलब्धि में वृद्धि होती है। सिंह (2014) के अनुसार इस विधि से विद्यार्थियों में सामाजिक न्याय एवं समानता की भावना विकसित होती है। शर्मा (2018) ने सामाजिक विज्ञान शिक्षण में इसकी प्रभावशीलता को सिद्ध किया। बाजाज (2021) ने बताया कि यह विधि विद्यार्थियों को सक्रिय एवं विश्लेषणात्मक अधिगम की ओर प्रेरित करती है। बिस्मा इकबाल एवं अन्य (2024) के अध्ययन में भी यह पाया गया कि गतिविधि आधारित अधिगम विद्यार्थियों की रुचि तथा शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ाता है।

अध्ययन का औचित्य

सामाजिक विज्ञान विषय विद्यार्थियों में सामाजिक मूल्यों एवं नागरिक चेतना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्तमान समय में अधिकांश विद्यालयों में अभी भी पारंपरिक शिक्षण विधियों का अधिक प्रयोग किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों की सहभागिता कम रहती है।

गतिविधि आधारित शिक्षण विधि विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से सीखने का अवसर प्रदान करती है। इससे विद्यार्थियों में सहयोग, सहिष्णुता, नेतृत्व, सामाजिक सहभागिता एवं जिम्मेदारी जैसे मूल्यों का विकास होता है।

यद्यपि विभिन्न अध्ययनों में गतिविधि आधारित शिक्षण की प्रभावशीलता सिद्ध की गई है, फिर भी कक्षा सातवीं के सामाजिक विज्ञान विषय में सामाजिक मूल्यों के विकास पर सीमित शोध उपलब्ध हैं। अतः प्रस्तुत अध्ययन का विशेष महत्व है। □

समस्या का कथन

कक्षा सातवीं के सामाजिक विज्ञान शिक्षण में गतिविधि आधारित विधि का प्रभाव एवं सामाजिक मूल्यों का विकास

अध्ययन के उद्देश्य

1. कक्षा सातवीं के विद्यार्थियों की सामाजिक विज्ञान विषय में शैक्षणिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
2. गतिविधि आधारित शिक्षण विधि के प्रभाव का अध्ययन करना।
3. गतिविधि आधारित एवं पारंपरिक शिक्षण विधियों की तुलना करना।

4. विद्यार्थियों में सामाजिक मूल्यों के विकास का अध्ययन करना।
5. गतिविधि आधारित शिक्षण से विद्यार्थियों में सहयोग, सहिष्णुता एवं सामाजिक सहभागिता के विकास का परीक्षण करना।

परिकल्पनाएँ

प्रायोगिक एवं नियंत्रण समूह के विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
गतिविधि आधारित शिक्षण से विद्यार्थियों के सामाजिक मूल्यों में कोई सार्थक वृद्धि नहीं होगी।
गतिविधि आधारित एवं पारंपरिक शिक्षण विधियों के प्रभाव में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा।

चर

स्वतंत्र चर

गतिविधि आधारित शिक्षण विधि

आश्रित चर

सामाजिक विज्ञान में शैक्षणिक उपलब्धि
सामाजिक मूल्यों का विकास

अनुसंधान पद्धति

- **अनुसंधान अभिकल्प**

अध्ययन में पूर्व-परीक्षण एवं पश्च-परीक्षण नियंत्रण समूह प्रायोगिक अभिकल्प का प्रयोग किया गया।
जहाँ—
□ = पूर्व परीक्षण
□ = पश्च परीक्षण
□ = गतिविधि आधारित शिक्षण उपचार

GYAN MANTHAN
A MULTIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL

- **न्यादर्श**

अध्ययन हेतु कक्षा सातवीं के 60 विद्यार्थियों का चयन किया गया। विद्यार्थियों को दो समूहों में विभाजित किया गया—
समूह
विद्यार्थियों की संख्या
प्रायोगिक समूह = 30
नियंत्रण समूह = 30

- **उपकरण**

सामाजिक विज्ञान उपलब्धि परीक्षण
सामाजिक मूल्य मापनी
गतिविधि आधारित शिक्षण सामग्री
उपलब्धि परीक्षण
सामाजिक मूल्यों का परीक्षण

- **प्रक्रिया**

दोनों समूहों का पूर्व-परीक्षण लिया गया।

प्रायोगिक समूह को गतिविधि आधारित शिक्षण विधि से पढ़ाया गया।
नियंत्रण समूह को पारंपरिक व्याख्यान विधि से पढ़ाया गया।
शिक्षण अवधि 45 दिवस रखी गई।
अंत में पश्च-परीक्षण एवं सामाजिक मूल्य मापनी लागू की गई।

- **आंकड़ों का विश्लेषण एवं विवेचना**

अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि गतिविधि आधारित शिक्षण विधि से पढ़ाए गए विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि नियंत्रण समूह की अपेक्षा अधिक रही। विद्यार्थियों में विषय के प्रति रुचि, सहभागिता तथा आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।
गतिविधियों जैसे समूह चर्चा, भूमिका निर्वहन एवं परियोजना कार्य के माध्यम से विद्यार्थियों में सहयोग, सहिष्णुता, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों का विकास हुआ।
यह भी पाया गया कि गतिविधि आधारित शिक्षण विद्यार्थियों को केवल ज्ञान प्रदान नहीं करता, बल्कि उन्हें सामाजिक जीवन के लिए भी तैयार करता है।

अध्ययन की परिसीमाएँ

अध्ययन केवल कक्षा सातवीं तक सीमित रहा।
अध्ययन केवल सामाजिक विज्ञान विषय पर आधारित था।
अध्ययन चयनित विद्यालयों तक सीमित रहा।
अध्ययन में केवल 60 विद्यार्थियों को शामिल किया गया।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि गतिविधि आधारित शिक्षण विधि सामाजिक विज्ञान शिक्षण को अधिक प्रभावी, रोचक एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाती है। इससे विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि में वृद्धि होती है तथा सामाजिक मूल्यों का विकास होता है।
गतिविधि आधारित शिक्षण विद्यार्थियों में सहयोग, सहानुभूति, नेतृत्व, सामाजिक सहभागिता एवं उत्तरदायित्व जैसे गुण विकसित करता है। अतः सामाजिक विज्ञान शिक्षण में गतिविधि आधारित विधियों का अधिकाधिक प्रयोग किया जाना चाहिए।

संदर्भ सूची

- Bajaj, A. (2021). Activity-based Learning in Primary Classrooms.
- Bisma Iqbal et al. (2024). Role of Activity Based Learning on Academic Achievement.
- Kaur, P. (2010). Effect of Cooperative Learning Method.
- Sharma, R. (2018). Activity Based Teaching in Social Science.
- Singh, J. (2014). Reflective Teachers and Activity Based Learning.
- John Dewey (1938). Experience and Education.
- Mahatma Gandhi. Basic Education Philosophy.